कँवर दुर्गा चन्द राजकीय महाविद्यालय जयसिंहपुर
जिला कांगड़ा (हिमाचल प्रदेश)
वार्षिक प्रतिवेदन 2017

इस समारोह के मुख्य अतिथि हैं श्री यादविन्द्र गोमा जी, माननीय विधायक, विधान सभा क्षेत्र जयसिंहपुर। आपको इस महाविद्यालय के वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह में अपने मध्य पाकर हम गौरवान्वित अनुभव कर रहे है। मैं प्राध्यापक वर्ग, कार्यालय कर्मचारियों, केन्द्रीय छात्र परिषद्, अभिभावक अध्यापक संघ, विद्यार्थियों तथा अपनी ओर से आपका हार्दिक अभिनन्दन करता हूँ। आपकी विद्वता इस महाविद्यालय के विद्यार्थियों के लिए न केवल प्रेरणा का स्रोत होगा अपितु उनके व्यक्तित्व विकास में भी सहायक होगा। मैं पुनः हृदय की गहराईयों से आपका और इस समारोह में उपस्थित सभी गणमान्य अतिथियों का हार्दिक अभिनन्दन एवं स्वागत करता हूँ जिनकी उपस्थिति से यह कार्यक्रम शोभा मण्डित हो रहा है।

महोदय, यह महाविद्यालय महाराजा संसार चन्द की जन्मभूमि एवं ऐतिहासिक महत्व की नगरी जयसिंहपुर में स्थित है एवं चंगर क्षेत्र की जनता के लिए शिक्षा का ज्योति स्तम्भ बन कर उभरा है।

तत्कालीन कंवर दुर्गा चन्द स्मारक निजि महाद्यिालय का प्रबल जन-भावनाओं तथा इस क्षेत्र की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए श्री जगदीश सिपहिया जी के अथक प्रयास से माननीय मुख्यमन्त्री राजा वीरभद्र सिंह जी ने 06 फरवरी 2007 को हि0 प्र0 सरकार के अधिग्रहण में लिया तथा इसका नाम कंवर दुर्गा चन्द राजकीय महाविद्यालय जयसिंहपुर रखा गया । नया महाविद्यालय होने के बावजूद आज इस महाविद्यालय का अपना निजी भवन है और परिसर का विस्तार कार्य चल रहा है तथा अपने पूरे गौरव व वैभव के साथ यह छात्र व छात्राओं के बीच शिक्षा व ज्ञान का प्रकाश बिखेरता हुआ अग्रसर हो रहा है। इस विद्या मंदिर के प्रांगण में आज आपकी गरिमामयी उपस्थिति हमारे लिए गर्व एवं परम सौभाग्य की बात है।

इस महाविद्यालय में स्नातक स्तर पर कला, विज्ञान एवं वाणिज्य संकाय संचालित हैं, जिनमें 16 विषयों का अध्ययन सम्मिलित है। वर्तमान में 12 प्राध्यापकों तथा लगभग 569 विद्यार्थियों (199 छात्र व 370 छात्राऐं) सहित यह संस्थान विकासात्मक गतिविधियों के क्षेत्र में अग्रसर है।

मान्यवर, आपने अपनी व्यस्तताओं के बावजूद इस समारोह में पधार कर हमें कृतार्थ किया है, इसके लिए महाविद्यालय परिवार आपका अत्यन्त आभारी है। सभी पुरस्कार विजेताओं के लिए यह दिन महत्वपूर्ण व स्मृतियों को संजोने का दिन होता है। आपके आशीर्वचनों से इनका मार्ग दर्शन होगा और उच्चकोटि के नागरिक बनने में इन्हे दिशा ज्ञान प्राप्त होगा ऐसा मेरा विश्वास है। अब मैं आपके समक्ष

विद्यार्थी संख्याः-

इस महाविद्यालय में सत्र 2016-17 के दौरान तीनो संकायों में विद्यार्थियों की कुल संख्या इस प्रकार है-

संकाय	छात्र	छात्राएं	योग
कला	90	251	341
वाणिज्य	100	113	213
विज्ञान	09	06	15
		कुल	569

कर्मचारी वर्ग:-

प्राध्यापक वर्ग: इस महाविद्यालय में प्रवक्ताओं के कला संकाय में 11 पद्, वाणिज्य संकाय में 02 पद् तथा विज्ञान संकाय में 08 पद् स्वीकृत है। वर्तमान में कला संकाय में अंग्रेजी अर्थशास्त्र, इतिहास, गणित तथा भूगोल मे एक-एक प्राध्यापक कार्यरत हैं। हिन्दी, शारीरिक शिक्षा, मनोविज्ञान, दर्शन शास्त्र तथा वाद्य संगीत के पद् रिक्त चल रहे हैं। राजनीति -शास्त्र के प्राध्यापक श्री चन्द्र पाल, महाविद्यालय संधोल से इस महाविद्यालय में क्मचनजंजपवद पर हैं। वाणिज्य संकाय में तीन प्राध्यापक कार्यरत हैं। विज्ञान संकाय में भौतिक विज्ञान, जन्तु- विज्ञान एवं रसायन- विज्ञान में एक-एक प्राध्यापक कार्यरत हैं। भौतिक विज्ञान, रसायन-विज्ञान, गणित, जन्तु- विज्ञान तथा वनस्पति- विज्ञान में एक -एक पद् रिक्त चल रहे हैं। वनस्पति विज्ञान में डा0 विवेक चन्देल महाविद्यालय बैजनाथ से इस महाविद्यालय में क्मचनजंजपवद पर हैं। गैर - शिक्षक कर्मचारी वर्ग: कुल 26 पद स्वीकृत है। वर्तमान में एक अधीक्षक सहित 10 पदों पर कर्मचारी कार्यरत है जबकी 15 पद अभी-रिक्त है। जिसमें पुस्तकालयाध्यक्ष का पद भी रिक्त है।

आगमन एवं प्रस्थान:-

स्थानान्तरण सरकारी सेवा का अभिन्न पहलू है। इस सत्र में निम्न स्थानान्तरण एवं आगमन हुए हैं:-

1. इस सत्र के दौरान प्राचार्य श्रीमति वंदना भदवार स्थानान्तरित होकर GCTE धर्मशाला को गये तथा मैने कार्यकारी प्राचार्य के रूप में यहां पदभार सम्भाला ।
2. श्री विकास राणा अंग्रेजी, डा0 वासुदेव वाणिज्य, श्री राजेश कुमार वाणिज्य, स्थांनान्तरित होकर अन्य राजकीय महाविद्याालय में गए ।
3. श्री सुरजीत सिंह अंग्रेजी, श्री पवन कुमार वाणिज्य, श्री कमल सिंह वाणिज्य, श्री सोहन लाल भौतिक-विज्ञान, श्रीमति सुनीता सकलानी जन्तु- विज्ञान एवं श्री अनिल कुमार रसायन -विज्ञान इस महाविद्यालय के शिक्षकों में शामिल हुए।
4. डा0 विवेक चन्देल, वनस्पति विज्ञान तथा श्री चन्द्र पाल राजनीति शास्त्र के प्राध्यापक Deputation पर इस महाविद्यालय में अपनी सेवाएं दे रहे हैं।
5. गैर शिक्षक कर्मचारी वर्ग में श्री रणजीत सिंह स्थानान्तरित होकर राजकीय महाविद्यालय शिवनगर गए तथा, श्रीमति वीना देवीएवं श्रीमति लता देवी चपरासी इस महाविद्यालय में शामिल हुए । श्रीमति रामेश्वरी देवी चपरासी 28 फरवरी 2017 को इस महाविद्यालय से सेवानिवृत हुए।

परीक्षा परिणाम-

विश्वविद्यालय वार्षिक परीक्षा परिणाम-2015-16

अध्ययन -अध्यापन में निरन्तर गंभीरता एवं गतिशीलता के कारण इस महाविद्यालय का परीक्षा परिणाम भी आशानुरुप रहता है। विश्वविद्यालय द्वारा नंवम्बर 2015 तथा अप्रैल 2016 में आयोजित वार्षिक परीक्षाओं में हर वर्ष की भाँति इस वर्ष भी विद्यार्थियों के परीक्षा परिणाम अत्युत्तम रहे हैं।

क्र. स.	कक्षा	कुल विद्यार्थी	उतीर्ण	प्रतिशत
1.	कला स्नातक प्रथम सत्र	130	Result Pending	-
2.	" " द्वितीय सत्र	130	Result Pending	-
3.	" " तृतीय "	60	51	85%
4.	" " चतुर्थ "	60	56	93.33%
5.	" " पंचम "	70	68	97.14%
6.	" " छठा "	69	69	100%
7.	वाणिज्य " प्रथम सत्र	74	Result Pending	-
8.	" " द्वितीय "	74	Result Pending	-
9.	" " तृतीय "	52	52	100%
10.	" " चतुर्थ "	48	47	97.91%

11.	" " पंचम "	49	49	100%
12.	" " छठा "	49	49	100%

अन्तरिम परीक्षाएं :-

अन्तरिम परीक्षाएं विद्यार्थियों के लिए वार्षिक परीक्षाओं का पूर्वाभ्यास है। हिमाचल प्रदेश की परिक्षाओं में बेठने हेतू तय मापदण्डों एवं अधिसूचना की अनुपालना एवं अध्ययनशीलता के परिक्षण के उद्देश्य को साकार करने के लिए आयोजित की गई। अन्तरिम परीक्षा में छात्रों की उपस्थिति सत् प्रतिशत रही । छात्रों के अभिभावकों को अन्तरिम परिक्षा परिणाम भेज दिए गएं हैं।

छात्रवृतियां:-

सरकार द्वारा विभिन्न छात्रवृति योजनाओं के अन्तर्गत इस सत्र 2015-16 में छात्रवृतियों के लिए 477602 रूपये की राशि 144 विद्यार्थियों में वितरित की गई।

वर्ग	लाभान्वित छात्र	राशि
आई0 आर0 डी0 पी0	37	44400/-
अनुसूचित जाति	79	342044/-
अन्य पिछडा वर्ग	28	91158/-
कुल योग	144	477602/-

वर्तमान सत्र में 2016-17 के लिए विभिन्न छात्रवृतियों के लिए बजट आवँटन हेतु 169 विद्यार्थियों के आवेदन स्वीकृति के लिए भेजे हैं। इसमें 617382/- रूपये दिए जाने का प्रावधान है।

वर्ग	छात्र	राशि
आई0 आर0 डी0 पी0	32	38400/-
अनुसूचित जाति	103	473252/-
अन्य पिछडा वर्ग	34	105730/-
कुल योग	169	617382

पुस्तकालय :-

विद्यार्थियों में ज्ञान एवं बुद्धि सम्वर्धन हेतू पुस्तकालय, महाविद्यालय के मस्तिष्क के समान होता है। महाविद्यालय के पुस्तकालय में इस समय विभिन्न विषयों व संदर्भो की 3566 पुस्तकें उपलब्ध हैं। दो मासिक प्रत्रिकाएं एवं चार समाचार पत्र छात्रों के अध्ययन हेतु उपलब्ध हैं। छात्रों में स्वाध्याय की रूचि को विकसित करने में पुस्तकालय सहायक श्री रणजीत सिंह के प्रयास सराहनीय रहें हैं।

केन्द्रीय छात्र संघ :-

लोकतान्त्रिक मूल्यों के निर्माण में केन्द्रीय छात्र परिषद का विशेष महत्व होता है। इस सत्र में महाविद्यालय केन्द्रीय छात्र परिषद के चुनाव लिगंदोह कमेटी की सिफारिशों के अनुरूप सितम्बर 2016 में शान्तिपूर्वक सम्पन्न हुए । इस सत्र में वार्षिक परीक्षाओं की योग्यता सूची में श्रेष्ठ रहे प्रतिनिधियों का मनोनयन किया गया और उन्ही में से वरीयताकम में श्रेष्ठ निम्नलिखित पदाधिकारी चुने गए:

नाम	कक्षा	पद
1. कल्पना	BA 6th Sem.	अध्यक्ष
2. संजय कुमार	B.com 5th Sem.	उपाध्यक्ष

3. सैबी मेहरा	BA 1st Sem.	सचिव
4. कोमल	B.Com. 1st Sem.	सह–सचिव
5. रोहित ठाकुर	Bsc. 1st Sem	सदस्य
6. स्वाति कुमारी	BA 1st Sem.	सदस्य
7. सूरज चौधरी	B.Com. 1st Sem.	सदस्य
8. पूनम कुमारी	BA 5th Sem.	सदस्य
9. राजीव कुमार	BA 5th Sem.	सदस्य
10. सन्तोष कुमार	B.com 5th Sem.	सदस्य
11. श्रेष्ठा	B.com 5th Sem.	सदस्य
12. मोहित कुमार	B.com 5th Sem.	सदस्य
13. शालू	BA 5th Sem.	सदस्य
14. अनिल कुमार	BA 5th Sem.	सदस्य

केन्द्रीय छात्र परिषद ने इस सत्र में भी इस महाविद्यालय की रचनात्मक गतिविधियों के कियान्वयन में पूर्ण सहयोग दिया।

अभिभावक- अध्यापक संघः-

संघ का गठन सितम्बर 2016 को किया गया । अभिभावक– अध्यापक संघ का महाविद्यालय के विकासात्मक कार्यो में महत्वपूर्ण योगदान रहता है। निम्नलिखित कार्यकारिणी के सदस्यों को निर्वाचित किया गया।

1.	अध्यक्ष	–	श्री प्रताप चन्द
2.	उपाध्यक्ष	–	श्री विकास कलोत्रा
3.	सचिव	–	श्री कमल सिंह
4.	कोषाध्यक्ष	–	श्री मोहिन्दर कुमार
5.	मुख्य सलाहकार	–	श्री मान चन्द
6.	अंकेक्षक	.	श्री ज्योति प्रकाश
7.	अंकेक्षक	.	श्री पवन शर्मा
8.	सदस्य	–	श्री सुरजीत राणा
9.	सदस्य	–	श्री सोहन लाल
10.	सदस्य	–	श्री अजय कुमार
11.	सदस्य	–	श्रीमति रेखा देवी
12.	सदस्य	–	श्रीमति ववीता देवी

इस संस्था की आय इस सत्र में लगभग 319,000/– रूपय रहीं। विद्यार्थियों की आवश्यक्ताओं को ध्यान में रखते हुए इस सत्र में 1,19,354 रूपय विभिन्न विकासात्मक गतिवधियों पर व्यय किए गए।

सांस्कृतिक गतिविधियां एवं उपलब्धियां:-

माहविधालय के छात्रों नें इस सत्र में 15 अगस्त तथा 26 जनवरी को तहसील स्तर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लिया। केन्द्रीय छात्र परिषद के तत्वाधान में आयोजित किए गए कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लिया व पुरस्कार प्राप्त किए।

शारीरिक शिक्षा एवं खेलकूद गतिविधियां:-

इस सत्र के दौरान महाविद्यालय के छात्र व छात्राओं ने हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय की विभिन्न अन्तर- महाविद्यालय प्रतियोगिताओं में भाग लिया । पूरूष वर्ग में बैडमिंटन, वॉलीबॉल, बास्केटबाल व कबड्डी में भाग लेकर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

राष्ट्रीय सेवा योजना (एन एस एस):-

इस समय महाविद्यालय में एन एस एस की आधी इकाई (50) है जिसके कार्यक्रम अधिकारी प्रो0 विकास कलौत्रा हैं। इस सत्र में इस योजना के अन्तर्गत निम्नलिखित कार्यक्रम आयोजित किए गए:-

1. पौधारोपण:- इसमें स्वयंसेवियों द्वारा पौधारोपण किया गया और पर्यावरण जागरूकता रैली निकाली गई।
2. एन एस एस दिवस के अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं के अन्तर्गत पर्यावरण जागरूकता, पोस्टर, नारा लेखन एवं रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया ।
3. महाविधालय में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में स्वयंसेवियों ने अपनी सेवाएं प्रदान की तथा रेड रिबन क्लब के सहयोग से एडस जागरूकता रैली का आयोजन किया ।
4. हर माह में स्वयंसेवियों ने परिसर की सफाई व्यवस्था को सुचारू बनाने का अभियान चलाया ।
5. सात दिवसीय विशेष शिविर 23 दिंसबर 2016 से 29 दिसंबर तक आयोजित किया गया। इस शिविर का शुभारम्भ महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. उपेन्द्र शर्मा द्वारा किया गया। जिसमें 25 स्वयंसेवियों न महाविद्यालय परिसर के आसपास सफाई की तथा एन एस एस वाटिका बनाई। शिविर के दौरान सरकारी स्वास्थय केन्द्र जयसिंहपुर की सफाई करवाई गई तथा विभिन्न विषयों पर व्याख्यान दिये गये।

रोवर्स एवं रेंजर्स:-

रेजंरिंग- रोवरिंग, 16 से 23 वर्ष तक के आयु वर्ग के उत्साही, कर्मठ व ईमानदार युवाओं के जीवन का अहम हिस्सा है । इस महाविद्यालय में एक ही इकाई रोवर्स की संचालित है। रोवर्स ईकाई के स्काऊट लीडर प्रो. पवन कुमार हैं। इस वर्ष रोवर्स ने विभिन्न गतिविधियां मे भाग लिया:-

1. भांग उन्नमूलन अभियान का आयोजन किया गया
2. नशा निवारण पर व्याख्यान एवं रैली का आयोजन किया गया।

इसके अतिरिक्त महाविद्यालय में आयोजित विभिन्न समारोहों के मुख्य अतिथियों के अनुरक्षकों के रूप में रोवरस ने अपनी भूमिका निभाई व सामाजिक वुराईयों के संदर्भ में जागरूकता अभियान चलाने हेतू सहयोग किया। यह इकाई छात्रों के व्यक्तित्व विकास व सामाजिक, नैतिक व राष्ट्रीय जिम्मेदारियों में भूमिका के प्रति प्रेरित करती है।

रैड -रिबन क्लब:-

एड्स जैसी जानलेवा बीमारी के प्रति न केवल महाविद्यालय के छात्रों अपितु समस्त समाज को जागरूक करने के लिए महाविद्यालय में रैड रिबन क्लब का पुनर्गठन किया गया। यह क्लब नोडल औफिसर श्री कमल सिंह के कुशल नेतृत्व मे पूरे वर्ष सक्रिय रहता है।

एड्स जागरूकता सप्ताह के दौरान छात्रों व समाज को एड्स के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से क्लब द्वारा विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया तथा एड्स जागरूकता रैली निकाली गई। क्लब के सदस्यों के द्वारा डलू गाँव व सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र जयसिंहपुर में लोगों को एड्स के प्रति जागरूक किया गया। क्लब के स्वयंसेवकों ने समय -समय पर जरूरतमंदों के लिए रक्तदान भी किया।

पर्यावरण मंच (Eco Club):-

इस महाविद्यालय में पर्यावरण मँच का पुनर्गठन किया गया जो अपने आप में सराहनीय प्रयास है। यह क्लब श्री विकास चन्द्र के नेतृत्व में पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। यह क्लब महाविद्यालय परिसर में साफ–सफाई, सुंदरता तथा पर्यावरण जागरूकता के सम्बन्ध में कार्य करता है । अगस्त 2016 में पौधारोपण किया गया।

कैरियर - गाईडेंस कम पलेसमैंट सैल:

छात्रों को रोजगार के अवसरों के बारे में जानकारी व मार्गदर्शन के उद्देश्य से महाविद्यालय में कैरियर गाईडेंस कम प्लेसमैंट सैल की स्थापना की गई है। अनुभवी सदस्यों के सहयोग से इस सत्र में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया । प्रो. उपेन्द्र शर्मा इस सैल के प्रभारी है।

राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यापन परिषद (NAAC):

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा मान्यता प्राप्त यह परिषद प्रत्येक महाविद्यालय या विश्वविद्यालय का मूल्यांकन करती है । इस महाविद्यालय द्वारा मुल्यांकन के लिए परिषद को प्रत्यापन प्रतिवेदन प्रेषित किया गया था, जिसे अब पुनः कमिया दूर करके प्रेषित किया जा रहा है। प्रो. सुरजीत राणा महाविद्यालय NAAC समिति के समन्वयक है।

महाविद्यालय पत्रिका:-

विद्यार्थियों की सृजन शक्ति को विकसित करने एवं उनमें लेखन प्रतिभा जागृत करने के उद्देश्य से महाविद्यालय की पत्रिका ''कुन्जद्वार''का प्रकाशन किया रहा है।

विशेष उपलब्धियाँ :-

नए भवन का लोकार्पण आदरणीय मुख्यमंत्री, हिमाचल प्रदेश श्री वीरभद्र सिंह के कर कमलों द्वारा माननीय विधायक श्री यादविन्द्र गोमा की उपस्थिति में 29 सितम्बर 2016 को सम्पन्न हुआ एवं विज्ञान भवन की आधारशिला भी विधायक महोदय के अथक प्रयासों से उपरोक्त दिनांक को संभव हुई। इस वर्ष विज्ञान संकाय की कक्षाओं का आरम्भ जून 2016 को हुआ और विधायक महोदय के प्रयासों से विज्ञान संकाय में सभी रिक्त पद भरे गये।

व्यक्तिगत उपलब्धियां :-

1. प्रो. विकास चन्द्र (अर्थशास्त्र) ने इस वर्ष विभागीय परीक्षा अक्तूबर 2016 में उतीर्ण की है तथा जनवरी 2017 को HIPA के द्वारा आयोजित "course on working with tablet / Smart Phone" में भाग लिया ।
2. प्रो. कमल सिंह ने Distt. AIDS control society Dharmshala द्वारा आयोजित ट्रेनिंग प्रोग्राम में भाग लिया।
3. प्रो0 विकास कलौत्रा ने वर्ष 2017 में GCTE Dharmshala के द्वारा आयोजित Induction Training Program में A^+ Grade हासिल किया ।
4. प्रो राजिन्द्र सिंह ने वर्ष 2016 में DST द्वारा आयोजित 21 दिन का Training/ Refresher course on Geospatial technologies हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय शिमला में किया
5. प्रो. पवन कुमार ने धर्मशाला में 'राष्ट्रीय छात्रवृति पोरट्ल' एवं ' e- passportal' पर आयोजित कार्यशाला में भाग लिया।
6. डा. सुनीता सकलानी ने इस वर्ष राष्ट्रीय स्तर की संगोष्ठी में दो शोध पत्र (Nature and importance of yoga , Engaged governance and women empowerment for economic Deployment of women in India) प्रस्तुत किऐ।

विकासात्मक गतिविधियां:-

यह वर्ष महाविद्यालय में निर्माण कार्य के विकास का वर्ष रहा। इन कार्यो के लिए करोडों रूपए खर्च किए गए। ये विकासात्मक कार्य निम्नलिखित है।

1. लगभग 6.59 करोड रूपय की लागत से यह भवन बन कर तैयार हुआ जिसका आनावरण माननीय मुख्यमन्त्री हि0 प्र0 श्री वीरभद्र सिंह जी ने किया ।
2. महाविद्यालय में विज्ञान की कक्षाएं शुरू हुई।
3. महाविद्यालय में लोक निर्माण विभाग द्वारा खेलकूद परिसर का कार्य निर्माणधीन है।
4. महाविद्यालय कैंटीन का कार्य भी लोक निर्माण विभाग ही कर रहा है और इसकी धनराशि विभाग को जमा करवा दी गई है।
5. संगणक प्रयोगशाला का निर्माण किया गया।
6. महाविद्यालय में Gym के उपकरण व अन्य सामान खरीदा गया।
7. विज्ञान भवन का निर्माण भी लोक निर्माण विभाग ही कर रहा है।

हमारी आवश्यकताएं:-

महाविद्यालय को सुचारू रूप से चलाने के लिए निम्न कार्यो का किया जाना अति आवश्यक है।

1. महाविद्यालय में निरंतर बढ़ रही विद्यार्थियों की संख्या के कारण प्राध्यापक व गैर- शिक्षक कर्मचारी वर्ग के रिक्त पदों को भरने की अति आवश्यकता है।
   a) प्रधानाचार्य का पद अतिशीघ्र भरा जाए।
   b) अध्यापक वर्ग में हिन्दी, गणित, शारीरिक शिक्षा, मनोविज्ञान, दर्शन शास्त्र, संगीत, भौतिक-विज्ञान, रसायन- विज्ञान, वनस्पति -विज्ञान एवं जन्तु- विज्ञान के एक- एक रिक्त पदों को भरा जाए।
   c) गैर- शिक्षक कर्मचारी वर्ग में एक पुस्तकालयाध्यक्ष, दो जे. एल. ए., चार एल. ए., एक तबला वादक एवं दो क्लर्क के पदों को भरा जाए।
2. महाविद्यालय में प्राध्यापकों के आवास की अत्यन्त आवश्यकता है। आप से अनुरोध है कि इसके लिए धनराशि का अतिशीघ्र प्रावधान किया जाए।
3. महाविद्यालय में कैंटीन व विज्ञान भवन हेतू धन उपलब्ध होने के बावजूद भी कार्य प्रारम्भ नही हो पाया है। अतः आप से विनम्र अनुरोध है कि अपने स्तर पर इन कार्यो को शीघ्र अतिशीघ्र करवाने के निर्देश जारी करवाएं।
4. महाविद्यालय के लिए सम्पर्क मार्ग (सडक) को पक्का करवाऐं।
5. माननीय मुख्यमन्त्री के द्वारा पैदल चलने योग्य पुली की

धन्यवाद / आभार:-

अतं में, मै समस्त महाविद्यालय परिवार की ओर से आज के मुख्य अतिथि माननीय श्री यादविन्द्र गोमा जी, विधायक, विधानसभा क्षेत्र जयसिंहपुर का धन्यवाद करता हूँ। आपने जिस तत्परता से हमारे अनुरोध को स्वीकार किया तथा व्यस्तताओं के बावजूद अपना समय विद्यार्थियों के मार्गदर्शन को दिया व हमारे बीच पधार कर इस समारोह की गरिमा बढ़ाई । इसके लिए हम सब हृदय से आपके आभारी हैं। समारोह में उपस्थित सभी गणमान्य अतिथियों का भी मैं धन्यावाद करता हूँ । मैं स्थानीय प्रशासन, लोक संपर्क विभाग, लोक निर्माण विभाग, विधुत विभाग तथा पत्रकार वन्धुओं का भी उनके सक्रिय एवम् सकारात्मक सहयोग के लिए धन्यवाद करता हूँ।

मैं केन्द्रीय छात्र संघ व समस्त विद्यार्थियों का भी धन्यावाद करता हूँ जिन्होने अपनी कर्तव्य निष्ठा अनुशासन और शान्तिपूर्ण व्यवहार से इस समारोह और महाविद्यालय की गरिमा बनाये रखने के लिए सराहनीय योगदान दिया।

प्रिय विद्यार्थियो! आप सबको जिन्हे आज पुरस्कार मिल रहे हैं, हार्दिक बधाई, जिन्हे नही मिले, उन्हें भी शुभकामनायें तथा अंतिम वर्ष के सभी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना करता हूँ । हमारी कामना है कि आप सब अपनी मेहनत, लगन और ईमानदारी से अपने –अपने उद्देश्य तक पहुंचे और अपने माता पिता, महाविद्यालय , समाज, प्रदेश व राष्ट्र का नाम रौशन करें।

धन्यवाद !

जय हिन्द ! जय हिमाचल!

उपेन्द्र शर्मा
कार्यकारी प्राचार्य
कँवर दुर्गा चन्द राजकीय महाविद्यालय
जयसिंहपुर

तिथिः 18 अप्रैल, 2017